प्रेषक.

बी. लाल. सचिव, न्याय एवं विधि परामशी, उत्तरांचल शासन ।

सेवा में.

श्री ज्ञानेन्द्र कुमार शर्मा, सदस्य-सचिव, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, उल्तरांचल उच्च न्यायालय परिसर, नैनीताल ।

न्याय विभाग

देहरादन:दिनांक: 20 अगस्त, 2003

विषय:- जनपद उधमसिंहनगर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हेतु पद सृजन विषयक ।

महोदय.

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-135/रा.वि.से.प्रा./नैनीताल, दिनांक 25 जुलाई, 2003 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद उधमसिंहनगर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यों को सुचारू रूप से सम्पादित करायें जाने हेतु निम्नलिखित विवरणानुसार 2 अस्थाई संवर्गीय पदों को शासनादेश निगंत होने की तिथि अथवा पद भरे जाने की तिथि, जो भी बाद में हो से 6 माह अथवा दिनांक 29.2.2004 तक, बशर्ते ये पद इसके पूर्व बिना किसी पूर्व सूचना के पहले ही समाप्त न कर दिये जाए, मुजित करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते 8:-

वेतनमान पर्दों की संख्या पदनाम क्र.सं. रुपये 3050-75-3950-80-4590 1 लिपिक 1 रुपये 2550-55-2660-60-3200 1 चपरासी 2 कुल योग

उक्त पदधारकों को उक्त पर के वेतन के अतिरिक्त शासन द्वारा समय-समय पर निर्गत आदेशों के अनुसार अनुमन्य किये गये मंहगाई व अन्य भत्ते भी देव होंगे ।

उक्त पदों पर नियुक्ति/तैनाती जनपद स्तरीय अधिकारी की तैनाती के उपरान्त ही की जायेगी । उक्त पदों पर नियुक्ति/तैनाती यथासंभव प्रदेश के सरप्तस/छटनीशुदा कर्मियों से ही की जायेगी ।

उक्त पदों के सृजन के फलस्वरूप तद्विषयक संवर्ग में अस्थाई अभिवृद्धि के रूप में माने जायेगें।

इस सम्बन्ध में होने वाला रूपय चालू बिल्तीय वर्ष 2003-2004 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-04 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक "2014-न्याय प्रशासन-आयोजनेत्तर-00-800-अन्य व्यय-06-जिला विधिक सेवा प्राधिकरण-00" के अधीन सुसंगत प्राथमिक इकाइयों के नामें डाला जायेगा ।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-884/वित्त अनुभाग-3/2003, दिनांक 20.8.03 में प्राप्त

उनकी सहमति से जारी किये जा रहे 🕴 ।

संख्या:- 16-एक(5)(1)/न्याय विभाग/2003-तद्दिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेपित :-

- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबेराग मोटर बिल्डिंग, माजरा, देहरादून । 1-
- जनपद ऱ्यायाधीशा/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, उधमसिंहनगर ।
- वरिष्ठ कोषाधिकारी, उधमसिंहनगर ।
- वित्त अनुभाग-3/गार्ड बुक । 3-

आज्ञा से,